मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ आगामी बजट की तैयारियों पर चर्चा की। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ॠतु बनावत आदि मौजूद रहे।

'ई.आर.सी.पी. परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भरतपुर संभाग के विधायकों से कहा, सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभायें

जयपुर, 29 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संशोधित केपीसी-ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी। इस परियोजना के वरदान के फलस्वरुप, पूर्वी राजस्थान में अपूर्व उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र की जनआकांक्षाओं को पूरा करते हुए, प्रदेश के विकास को गति प्रदान करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसी दिशा में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की भावना के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली, सड़क आदि मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की बजटीय घोषणाएं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

- मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित पंच गौरव कार्यक्रम से अपने क्षेत्र को लाभांवित करने के लिये विधायकों का आव्हान किया।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक, सरकार एवं जनता के बीच की अहम कडी है। ऐसे में सभी विधायक क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने से लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तक सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने भरतपुर संभाग के विधायकों से विधानसभावार बजट घोषणाओं की अनुपालना में होने वाले विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, भूमि आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले जनहित के विकास कार्यों के सुझाव भी देवें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक उपज, एक उत्पाद, एक प्रजाति, एक पर्यटन एवं एक खेल को बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले में इन श्रेणियों में चयनित तत्वों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इनके संरक्षण और प्रोत्साहन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना तथा मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन के संबंध में भी विधायकों से विस्तृत चर्चा की।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्योगों का क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होता है। इसी कडी में हाल ही में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत जिला स्तर पर भी एमओयू किए गए हैं। उन्होंने विधायकों से कहा कि समिट के दौरान हुए एमओयू की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि समय पर इनकी क्रियान्विति सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत उपस्थित रहे।

केन्द्र नौ जनवरी तक डल्लेवाल से बात करे

हिसार, 29 दिसंबर। हरियाणा में हिसार जिला के बास गांव में हुई हरियाणा की 102 खाप पंचायतों की महापंचायत ने केन्द्र सरकार को आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल से बातचीत करने के लिए नौ जनवरी तक का अल्टीमेटम दे दिया है। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसी दिन यानी नौ जनवरी को मुजफ्फरनगर में देश की सभी खापों की महापंचायत बुलाई जाएगी, जिसमें कड़े फैसले लिए जाएंगे। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर

- हरियाणा की महापंचायत ने अल्टीमेटम दिया कि वरना नौ जनवरी को मुज्जफर नगर में पूरे देश के खापों की महापंचायत बुलाई जायेगी।

आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सांझी एकता के लिए बुलाएंगे, तो खापों की 18 मेंबरी कमेटी सबको एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए जाएगी।

इस महापंचायत में कांग्रेस नेता पहलवान बजरंग पूनिया भी पहुंचे। उन्होंने महापंचायत में कहा कि सरकार का काम आपस में फूट डालने और आंदोलन को तोड़ने का है। जितने भी किसान संगठनों में मनमुटाव चल रहा है, वे बैठकर बात करें।

अगर आंदोलन जीतना है तो हमें इकट्ठा होना पड़ेगा। वहीं किसान नेता विकास सिसर ने कहा कि भाषण देने से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की जान नहीं बचेगी। जब तक अपने नेताओं के ऊपर विश्वास करना नहीं सीखोगे, तब तक इस आंदोलन की जीत नहीं हो सकती। देशवाल खाप प्रतिनिधि राम पाल सिंह देशवाल ने कहा कि हम सभी को एक नेता चुनना होगा और फिर आंख बंद कर उस एक नेता पर विश्वास करना होगा।

वैष्णो देवी रोपवे के खिलाफ पाँचवे दिन भी बंद रहा

उपमुख्यमंत्री सुरिन्दर चौधरी ने रोपवे प्रोजैक्ट के फैसले को गलत बताया

रियासी, 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है।

इस बीच, उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा- रोपवे प्रोजेक्ट का फैसला गलत है। यदि कटरा के लोग रोपवे परियोजना नहीं चाहते हैं, तो श्राइन बोर्ड और एलजी को उनकी बात सुननी चाहिए और समस्याएं हल करनी चाहिए, क्योंकि इससे 40 हजार लोगों

- श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के लिये 12 किलोमीटर मार्ग पर 250 करोड़ रूपये का रोपवे बना रहा है। व्यापारियों का कहना है, इससे 40 हजार लोगों का रोजगार छिन जायेगा।

का रोजगार छिन जाएगा।

दरअसल, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के लिए कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से रोपवे का निर्माण करवा रहा है।

अभी तक वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले ही मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एल जी) मनोज सिन्हा ने कहा था- 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि यह जनवरी तक पूरा हो जाएगा। कटरा में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा था कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा घोषित रोपवे परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है। रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ चले प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूटीबी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख का मुआवजा देने की मांग की थी। साथ ही, प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए भी कहा।

'पंजाब में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंडियां, अनाज मंडियां और अन्य व्यावसायिक दुकानें भी नौ घंटे के लिए बंद रहेंगी। बार एसोसिएशन फगवाड़ा के अध्यक्ष करणजोत सिंह झिक्का और वरिष्ठ एडवोकेट ललित चोपड़ा ने आंदोलनकारी किसानों को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है और केन्द्र और राज्य सरकार से किसानों की समस्याओं को हल करने और मानव जीवन को बचाने के लिए जल्द ही पहल करने की मांग की है। राजस्व पटवार यूनियन पंजाब ने पहले ही किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी है। भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) के महासचिव सतनाम सिंह साहनी ने लोगों से सोमवार के पंजाब बंद में सहयोग करने और भाग लेने की अपील की है।

ओडिशा की बाघिन भटक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मंजूरी मिलने के बाद उसे पकड़ने का अभियान फिर से शुरू किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के मुख्य वन्यजीव वार्डन, देबल रॉय ने कहा कि बाघिन को बांकुरा जिले के गोपालपुर जंगल में उसी स्थान पर ट्रैप किया गया था, जहां वह शनिवार की रात को देखी गई थी। बाघिन को पकड़ने के लिए दोहरे जाल से उसे घेर दिया गया है और जाल की परिधि को छोटा कर दिया गया है, ताकि उसे काबू किया जा सके।

रॉय ने बताया, "बाघिन को रविवार तड़के 1:20 बजे बेहोशी की दवा दी गई थी, लेकिन दवा का असर नहीं हुआ। इसके बाद सुबह 4:30 बजे तक दवा देने का अभियान रोकना पड़ा, क्योंकि दवा की अधिकतम सीमा तय होती है। बाघिन अत्यधिक उत्तेजित अवस्था में है, जिससे उसे बेहोश करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।" रॉय ने बताया कि जीनत को फिलहाल कुछ आराम दिया गया है। घटनास्थल पर तीन पशु चिकित्सक मौजूद हैं और वे स्थिति का आकलन कर रहे हैं। जैसे ही चिकित्सकों से मंजूरी मिलती है, बाघिन को बेहोश करने के प्रयास फिर से शुरू किए जाएंगे।

बाघिन जीनत को पिछले महीने महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभ्यारण्य से ओडिशा के सिमलीपाल में भेजा गया था, जहां उसे बाघों की जनसंख्या में नए जीन जोड़ने के उद्देश्य से लाया गया था। हालांकि, उसने ओडिशा के सिमलीपाल से भटककर 27 दिसंबर को बंदवान से लगभग 15 किलोमीटर का सफर तय कर मनबाजार ब्लॉक के जंगल में शरण ली थी, जहां वह 24 से 26 दिसंबर के बीच छिपी हुई थी। झारखंड से आने के बाद वह लगभग एक सप्ताह से पश्चिम बंगाल में हैं। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सिमलिपाल छोड़ने के बाद, नए इलाके की तलाश में बाघिन ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के जंगलों में घूमते हुए 120 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है। अभी तक उसके सिमिलिपाल बाघ अभ्यारण्य में वापस लौटने के कोई संकेत नहीं दिखाई दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से कम दूरी की यात्रा कर रही हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन लगाए गए हैं, लेकिन घने जंगल के कारण निगरानी प्रभावित हो रही है।

इज़रायल के मिसाइल हमले में नौ फिलिस्तीन मरे

गाजा, 29 दिसंबर। मध्य गाजा पट्टी में माघाज़ी शरणार्थी शिविर में शनिवार को एक घर पर इज़रायली हवाई हमले में कम से कम नौ फ़िलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फ़िलिस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक इज़रायली विमान ने माघाज़ी शिविर के बाहरी इलाके में एक घर पर कम से कम एक मिसाइल से बमबारी की। मध्य गाजा के डेर अल-बलाह शहर में अल-अक्सा अस्पताल के प्रवक्ता हुसाम अल-दकरान ने बताया कि हवाई हमले के बाद बच्चों और महिलाओं सहित नौ लोग मारे गए और कई घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। इज़रायली सेना ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

इज़रायली सेना के प्रवक्ता अविचे एद्राई ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इज़रायली सेना ने बेत हनौन क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ़ रात में कार्रवाई शुरू की, क्योंकि उन्हें इस क्षेत्र में कई आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी के बारे में पहले से ही खुफिया जानकारी थी।

बयान के अनुसार, सेना के प्रवेश करने से पहले इज़रायली लड़ाकू विमानों ने तोपखाने की गोलाबारी के

- अस्पताल के प्रवक्ता ने दावा किया कि मकान पर हमले में मरने वालों में महिलायें व बच्चे भी थे।
- इज़रायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी पर खुफिया जानकारी थी।

साथ मिलकर क्षेत्र में कई आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें आतंकवादी जमावड़े के स्थान और हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित अन्य आतंकवादी सुविधाएँ शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इज़रायल सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा में हमास के खिलाफ़ बड़े पैमाने पर आक्रमण कर रहा है, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बनाए गए।

ट्रम्प ने किया एच-1बी वीज़ा का समर्थन

वॉशिंगटन, 29 दिसंबर। अमेरिका में अब तक एच-1बी वीजा का विरोध कर रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने पलटी मार ली है। ट्रम्प ने कहा कि वे इसका समर्थन करते हैं। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा कि मैं हमेशा से इस वीजा के सपोर्ट में

- ट्रम्प के आलोचक उनके इस बयान को उनके "सख्त वीज़ा पॉलिसी" के पूर्व बयान से यू-टर्न लेना मान रहे हैं

रहा हूं। ट्रम्प के यह बयान इस साल नवंबर में उनके इलेक्शन कैंपेन के दौरान दिए गए बयान से एकदम उलट है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान, ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को देश से निकालने और वीजा पॉलिसी को सख्त बनाने की बात कही थी।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे "एच-1बी" वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने शनिवार को न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया।

ओडिशा में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, चार की मौत, 40 घायल

कोरापुट, 29 दिसंबर। ओडिशा के कोरापुट जिले में रविवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बस के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये बस करीब 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर जा रही थी। इस दौरान चालक ने बस से अपना नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा कोरापुट जिले के बोइपारीगुडा थाना क्षेत्र में हुआ। यहां के गुप्तेश्वर के पास डोकरीघाट में तड़के करीब साढ़े पांच बजे बस पलट गई। पुलिस के मुताबिक, बस कटक के नियाली से लगभग 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर मंदिर जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं। इसके बाद आनन-फानन में घायल यात्रियों को बचाया गया और उन्हें बोइपारीगुडा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसी आशंका जताई जा रही है कि पहाड़ी सड़क के कठिन मोड़ पर वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने

- कटक से 50 श्रद्धालुओं को गुप्तेश्वर मंदिर ले जा रही बस कोरापुट जिले के बोइपारिगुडा थाना क्षेत्र में पलटी
- मुख्यमंत्री माझी ने मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

बताया कि मृतकों में एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से कई ने अपने हाथ और पैर खो दिए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा भी की।

कांग्रेस आत्म-निरीक्षण करे-शर्मिष्ठा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की दुखद स्थिति पर पार्टी के भीतर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को दावा

- उन्होंने कहा कि उनके पिता के निधन से सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग क्यों नहीं हुई।

किया कि देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का पतन हो चुका है। शर्मिष्ठा ने यह सवाल भी उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया?

शर्मिष्ठा ने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की बजाय गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि मेरे जैसा व्यक्ति, जो कांग्रेस की विचारधारा में अटूट विश्वास रखता था, आज पार्टी से अलग-थलग क्यों महसूस कर रहा है?

नवी मुंबई में पहली सफल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्यापन प्रक्रिया में आज इंडिगो एयरलाइंस का एक ए 320 विमान इस हवाई अड्डे की उड़ान पट्टी 08/ 26 पर उतारा गया।

हवाई अड्डे का विकास और परिचालक करने के लिए गठित कंपनी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) की ओर से जारी एक विज्ञिप्त के अनुसार, विमान के हवाई पट्टी की ओर आने और हवाई पट्टी पर उतरने की प्रक्रिया और प्रणालियों के सत्यापन के साथ इसे हवाईअड्डा विनियामक डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से परिचालन का लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

विज्ञिप्त के अनुसार, हवाई अड्डे पर पहले वाणिज्य विमान की सत्यापन उड़ान को देखने के लिए वहां डीजीसीए और उन एजेंसियों के अधिकारी भी उपस्थित थे। इंडिगो के विमान के हवाई पट्टी पर उतरने पर दोनों ओर से दो दमकल मशीनों द्वारा पानी की फुहार से परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर, वहां डीजीसीए के अधिकारियों के अलावा, भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, सीमा शुल्क, आव्रजन विभाग, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, महाराष्ट्र सरकार की एजेंसी सिडको, मौसम विभाग, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी के अधिकारी और अन्य संबद्ध पक्षों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विज्ञिप्त में कहा गया है कि इन विभिन्न एजेंसियों की उपस्थिति में हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान व्यवस्था के सफलतापूर्वक प्रमाणीकरण से यह संकेत मिलता है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय विमान मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है।

पटना में पेपर लीक पर छात्र आंदोलन ने जोर पकड़ा

गाँधी मैदान पर हजारों छात्र एकत्रित हुए, पुलिस ने कई जगह बैरिकेडिंग की

पटना, 29 दिसंबर। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) का पेपर लीक मामला अब तूल पकड़ता दिख रहा है। इसे लेकर आज छात्र पटना के गांधी मैदान में जुटे हुए हैं और लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, छात्रों के प्रदर्शन में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी शामिल हुए हैं। बता दें कि छात्र सीएम आवास का घेराव करने वाले हैं। छात्र लगातार सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, पटना जिला प्रशासन ने आयोग के अधिकारियों से बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन इसे छात्रों ने ठुकरा दिया था।

वहीं, अब पटना के गांधी मैदान में हजारों की संख्या में छात्र जुटे हुए हैं और सीएम आवास की ओर आगे बढ़ रहे हैं। छात्रों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और जगह-जगह पर बैरिकेडिंग भी की गई है। इस बीच, छात्रों ने गांधी मैदान के करीब जेपी गोलम्बर के पहले लगी बैरीकैडिंग को

- जिला प्रशासन बिहार लोक सेवा आयोग के अधिकारी छात्रों के पाँच प्रतिनिधियों से बात कराना चाहता हैं। छात्र मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करने पर अडिग हैं।
- जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी आज छात्र आंदोलन में शामिल हुए।

तोड़ दिया और अब आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, इसके 100 मीटर के आगे ही होटल मौर्या के पास एक और बैरीकैडिंग बनाई हुई है, जहां छात्रों को रोका गया है। जन सुराज नेता प्रशांत किशोर भी यहीं पर मौजूद हैं।

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने शनिवार को कहा कि प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए अपने पांच प्रतिनिधियों को नामित करना होगा, जिसके बाद बीपीएससी (मुलाकात के लिए) "उचित समय के भीतर" निर्णय लेगा।

उन्होंने कहा, "जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को अपने प्रतिनिधियों (सभी परीक्षार्थी) की सूची देने को कहा है, ताकि हम इस मुद्दे पर बीपीएससी अधिकारियों के साथ उनकी बैठक करवा सकें।" उन्होंने कहा, "वे बैठक में आयोग के अधिकारियों को अपनी शिकायतों से अवगत करा सकते हैं। जिला प्रशासन भी प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को आश्वस्त करता है कि आयोग उचित समय के भीतर उचित निर्णय या रुख अपनाएगा।" सिंह ने कहा कि आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और वह अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।

दिल्ली पुलिस ने ......

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। इसी ऑपरेशन के तहत, सभी थाना इलाकों में घर-घर जाकर पुलिस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़कर एफआरआरओ की मदद से डिपोर्ट भी कर रही है।

वसंत कुंज थाना इलाके से दिल्ली पुलिस ने आठ बांग्लादेशियों को पड़कर डिपोर्ट किया है। पकड़े गए लोग बांग्लादेश के मदारीपुर जिले के रहने वाले हैं। ये सभी एक ही परिवार के हैं, जिनमें मां-बाप और उनके 6 बच्चे शामिल हैं।

वेरिफिकेशन कैंपेन में हर घर में जाकर पुलिस पड़ताल करती है। लोगों को वेरीफिकेशन फॉर्म, जिसे दिल्ली पुलिस की भाषा में पर्चा 12 कहा जाता है, दिया जाता है। यह उन लोगों को दिया जाता है, जो पश्चिम बंगाल या दूसरे राज्यों से आकर यहां बसने की बात बताते हैं। पुलिस उनके पश्चिम बंगाल के एड्रेस को वेरीफाई करवा रही है, ताकि अवैध बांग्लादेशियों का पता लगाया जा सके।

दरअसल, पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि अवैध बांग्लादेशी पहले पश्चिम बंगाल में दाखिल होते हैं और फिर वहां के फर्जी कागजात बनाकर दिल्ली आ जाते हैं। पुलिस जब पूछताछ करती है, तब यह अवैध बांग्लादेशी अपने आप को पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताते हैं। इसके चलते, इन पर कार्रवाई करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाता है। इस वेरिफिकेशन के जरिए कई अवैध बांग्लादेशियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके वापस बांग्लादेश भेजा है।

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो इन अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के फर्जी कागजातों की मदद से आधार कार्ड बनवा रहे थे। दिल्ली पुलिस को आशंका है कि एजेंटों की मदद से हजारों बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान भारतीय नागरिक बनकर दिल्ली में रह रहे हैं।

पंजाब पुलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डीजीपी यादव ने कहा कि दो आरोपियों को बरामदगी के लिए ले जाया गया, जहां हिरासत से बचने के लिए पुलिस टीम पर हमला करने पर , जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें बटाला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पूरे आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करने के लिए जांच जारी है

गिरफ्तार किए गए लोगों से एक 9 एमएम ग्लॉक 26 पिस्तौल (ऑस्ट्रिया में निर्मित) और छह जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

'बॉर्डर पर बाहरी व आंतरिक खतरों का सामना करना पड़ता है'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों से देश के दुश्मनों पर कड़ी नज़र रखने की अपील की

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। केन्द्रीय रक्षा मंत्रीराजनाथ सिंहने कहा कि बॉर्डर के मामले में भारत बहुत भाग्यशाली नहीं है। देश को बाहरी और आंतरिक दोनों तरफ से खतरों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सेना को हमेशा सतर्क रहना होगा। दुश्मन हमेशा सक्रिय रहते हैं। रक्षा मंत्री इंदौर के महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सैन्यकर्मियों से आंतरिक और बाहरी दुश्मनों पर पैनी नजर रखने की अपील भी की। इससे पहले राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ महू में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित और

- महू छावनी में राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए सेना की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

दो सदी से अधिक पुरानी महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं यहां आया और जिस अनुशासन और समर्पण के साथ आप प्रशिक्षण ले रहे हैं, उसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। आपका प्रशिक्षण किसी युद्ध से कम नहीं है। अनुशासन के इस स्तर को बनाए रखने के लिए समर्पण और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। वह देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनियों में साफ-सफाई से प्रभावित हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि महू का यह क्षेत्र अनेक कारणों से ऐतिहासिक महत्व रखताहै। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थान होने के कारण, यह क्षेत्र हम सबके लिए, किसी पुण्य भूमि से कम नहीं है। उनके जन्म स्थान होने के अलावा भी, यह क्षेत्र कई कारणों से महत्वपूर्ण है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908